A-622

Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DVK-101

कर्मकाण्ड एंव मुहूर्त परिचय

Diploma in Vedic Karmkand (DVK)

1st Year Examination 2024 (June)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : इस प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना हैं। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–'क'(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

P.T.O.

Q.1. कर्मकाण्ड के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताइये कि त्रिकाल संध्या का क्या महत्व है।

अथवा

व्रत एंव पर्व से क्या अभिप्राय है वार्षिक व्रत एंव पर्वों के विषय में विस्तार पूर्वक लिखिए।

Q.2. धर्म सूत्र एंव स्मृति क्या है विस्तार पूर्वक लिखिए।

Q.3. पुराणों का विस्तार पूर्वक परिचय दीजिए।

Q.4. प्रातः कालीन नित्यकर्म विधि का विस्तार से वर्णन कीजिए।

Q.5. वेद क्या हैं विस्तार पूर्वक परिचय दीजिए।

अथवा

पञ्चचांग पूजा से क्या अभिप्राय है? मन्त्र सहित विस्तार से लिखिए।

खण्ड–'ख'(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. प्रातः स्मरण के महत्व को बताते हुए गणेश–विष्णु–शिव के प्रातः स्मरणीय मन्त्रों को लिखिए।

Q.2. संस्कारों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

Q.3. देव–मुनष्य–पितृ यज्ञों के विषय में लिखिए।

Q.4. पञ्च महायज्ञों का परिचय दीजिए।

Q.5. तिथियों का परिचय दीजिए।

अथवा

नक्षत्रों का परिचय दीजिए।

Q.6. अन्नप्राशन संस्कार का परिचय एंव महत्व को बताइये।

Q.7. उपनयन एंव दीक्षा मुहूर्त के विषय में लिखिए।

अथवा

कर्णवेध संस्कार का परिचय दीजिए।

Q.8. पंचाग किसे कहते हैं का परिचय दीजिए।

****